

ब्रेनवेयर

प्रलिस के लिये:

ब्रेनवेयर, [न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग](#), टिशियू इंजीनियरिंग, ऑर्गेनॉइड न्यूरल नेटवर्क, [कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क](#)

मेन्स के लिये:

ऑर्गेनॉइड न्यूरल नेटवर्क (ONN) की अवधारणा, ऑर्गेनॉइड और उनका नैतिक उपयोग, IT तथा कंप्यूटर

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

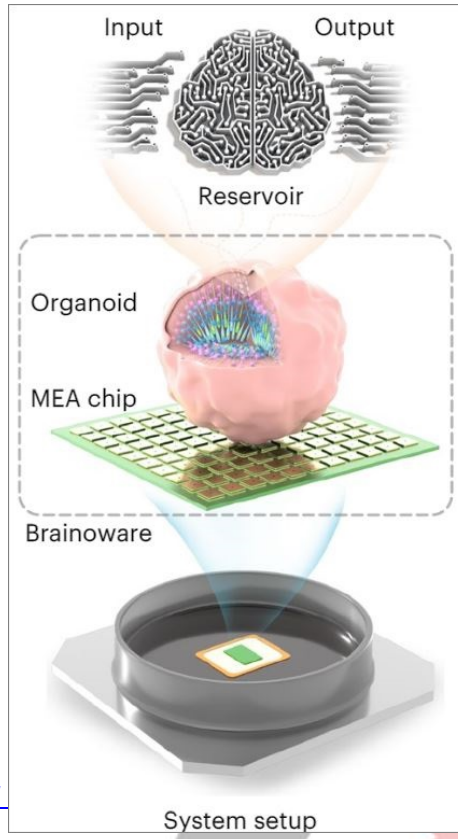
हाल ही में वैज्ञानिकों ने ब्रेनवेयर, एक '[ऑर्गेनॉइड न्यूरल नेटवर्क \(ONN\)](#)' बनाने के लिये इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ **मस्तिष्क जैसे ऊतक** को सहजता से एकीकृत किया है, जो आवाजों को पहचानने और जटिल गणितीय समस्याओं को हल करने में सक्षम है।

- यह नवोन्मेषी प्रणाली मस्तिष्क के ऊतकों को सीधे कंप्यूटर में एकीकृत करके **न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग** को एक नए स्तर तक बढ़ाती है।

ब्रेनवेयर क्या है?

परिचय:

- ब्रेनवेयर एक अभिनव कंप्यूटिंग प्रणाली है जो **मस्तिष्क जैसे ऊतकों को इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ** जोड़ती है।
- ब्रेनवेयर मस्तिष्क ऑर्गेनॉइड को माइक्रोइलेक्ट्रोड के साथ एकीकृत करता है, जिससे एक '[ऑर्गेनॉइड न्यूरल नेटवर्क \(ONN\)](#)' बनता है जो सीधे कंप्यूटिंग प्रक्रिया में जीवित **मस्तिष्क ऊतक** को शामिल करता है।
 - ब्रेन ऑर्गेनॉइड 3D ऊतक है जो **मानव मस्तिष्क की संरचना और कार्य का अनुकरण** करते हैं। वे **मानव भ्रूण स्टेम सेल** से प्राप्त होते हैं और स्व-संगठित होने में सक्षम होते हैं।
 - मस्तिष्क ऑर्गेनॉइड (Brain Organoids) **मस्तिष्क की कोशिका संरचना के समान होते हैं और मस्तिष्क की विकासात्मक प्रक्रिया को प्रतिलिखित कर सकते हैं**। इन्हें मानव मस्तिष्क के विकास तथा मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों का अध्ययन करने के लिये मॉडल के रूप में उपयोग किया जाता है।
- ONN [कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क](#) से भिन्न होते हैं, जो सलिकॉन चिप से बने होते हैं क्योंकि **वैज्ञानिक न्यूरॉन्स का उपयोग करते हैं जो अपने पर्यावरण से अनुकूलन और सीख सकते हैं**।



■ परचालन तंत्र:

- तीन-स्तरीय वास्तुकला: इनपुट, जलाशय और आउटपुट

- **इनपुट सिग्नल प्रोसेसिंग:**

- वदियुत उत्तेजना के रूप में इनपुट सिग्नल, ONN के माध्यम से संसाधित होते हैं।

- **जलाशय (Reservoir):**

- जलाशय, एक ब्लैक-बॉक्स के रूप में कार्य करते हुए, संकेतों को गणितीय इकाइयों में परिवर्तित करता है जिनमें कंप्यूटर कुशलतापूर्वक संसाधित कर सकता है, जिससे नरितर आगे-पीछे डेटा स्थानांतरण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

- **आउटपुट रीडआउट:**

- आउटपुट परत, संशोधित पारंपरिक कंप्यूटर हार्डवेयर, ब्रेनवेयर की तंत्रिका गतिविधि की व्याख्या करती है, जो एक ठोस परिणाम प्रदान करती है।

■ पारंपरिक न्यूरामोर्फिक कंप्यूटिंग पर लाभ:

- मेमोरी और प्रोसेसिंग पृथक्करण:

- पारंपरिक तंत्रिका नेटवर्क को एक चुनौती का सामना करना पड़ता है जहाँ मेमोरी इकाइयों और डेटा प्रोसेसिंग इकाइयों अलग-अलग होती हैं, जिससे जटिल समस्या-समाधान के लिये समय तथा ऊर्जा की मांग बढ़ जाती है।

- दक्षता में सुधार के पछिले पर्याप्तों में अल्पकालिक स्मृति के साथ न्यूरामोर्फिक चिप्स शामिल थे। हालाँकि ये चिप्स केवल आंशिक रूप से मस्तिष्क के कार्यों की नकल कर सकते हैं और प्रसंस्करण क्षमता तथा ऊर्जा दक्षता में और वृद्धि की आवश्यकता है।

- जैविक तंत्रिका नेटवर्क को एकीकृत करना:

- पारंपरिक न्यूरामोर्फिक कंप्यूटिंग में अक्षमताओं को दूर करने के लिये ब्रेनवेयर एक जैविक तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करता है, जिसमें मस्तिष्क कोशिकाएँ शामिल होती हैं।

- AI हार्डवेयर के विपरीत मस्तिष्क कोशिकाएँ मेमोरी को संग्रहीत करती हैं और डेटा को भौतिक रूप से अलग किये बिना संसाधित करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा की खपत काफी कम होती है।

■ चुनौतियाँ एवं वचिार:

- प्रक्रिया को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें जैविक तंत्रिका नेटवर्क को बनाए रखने के लिये आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढाँचा शामिल है।

- कोशिकाओं के यंत्रवत उपयोग के अतिरिक्त उनकी चेतना के संबंध में नैतिक प्रश्न भी सामने आते हैं।

■ भविष्य की संभावनाएँ:

- जबकि ब्रेनवेयर अपने प्रारंभिक चरण में है, 'ऑर्गनाइड न्यूरल नेटवर्क' का नरितर अध्ययन सीखने के तंत्र, तंत्रिका विकास और न्यूरोजीजेनरेटिव रोगों के संज्ञानात्मक प्रभावों में मूलभूत अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है।

- यह संभावित रूप से तंत्रिका विज्ञान और चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति में योगदान दे सकता है।

- यह ऊतक इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी और तंत्रिका संगणना के प्रतियेदन पर संभावनाएँ खोलता है।

Aspect	Traditional Neural Networks	Brainware (Biological Neural Network)
Memory and Processing	Separate units	Unified – no physical separation
Energy Efficiency	Lower efficiency	Higher efficiency
Biocomputing Approach	Silicon chips	Biological components
Learning and Recognition	Requires extensive training	Comparable accuracy with less training
Accuracy in Tasks	Dependent on training epochs	Comparable accuracy with fewer epochs
Cell Types in Neural Network	Standard silicon cells	Brain organoids with varied cell types
Research Area	Traditional AI	Biocomputing

मुख्य शर्तें

■ न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग:

- यह एक प्रकार की **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** है। यह पारंपरिक कंप्यूटर की तुलना में डेटा को अधिक कुशलता से संसाधित करने के लिये न्यूरोन्स और सनैप्स का अनुकरण करने के लिये **वर्षों हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम का उपयोग** करता है।
 - न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग डेटा को संसाधित करने के लिये **कृत्रिम न्यूरोन्स एवं सनैप्स का उपयोग** उसी तरह करता है जैसे मानव मस्तिष्क करता है।
 - यह समानांतर प्रसंस्करण पर निर्भर करता है, जिससे कई कार्यों को एक साथ संभाला जा सकता है। इसकी अनुकूलनीय प्रकृति वास्तविक समय में सीखने और नरिणय लेने में सक्षम बनाती है।
- वर्तमान न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग बाज़ार मुख्य रूप से संज्ञानात्मक एवं मस्तिष्क रोबोट में उपयोग किये जाने वाले **AI तथा मस्तिष्क चिपस** की बढ़ती मांग से प्रेरित है।

■ उक्तक इंजीनियरिंग:

- यह एक बायोमेडिकल इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो **जैविक विकल्प निर्माण** के लिये इंजीनियरिंग के साथ जीवन विज्ञान का उपयोग करता है जो उक्तक प्रकार्य को बहाल एवं बनाए रख सकता है या सुधार कर सकता है।
 - उक्तक इंजीनियरिंग का लक्ष्य कार्यात्मक संरचनाओं को एकत्रित करना है जो क्षतिग्रस्त उक्तकों या संपूर्ण अंगों को पुनरस्थापित, रखरखाव या सुधार करते हैं।

■ मस्तिष्क आधारित कंप्यूटिंग:

- यह न्यूरोन्स के नेटवर्क द्वारा सूचना का प्रसंस्करण है। यह एक प्रकार की **मस्तिष्क गतिविधि** है जिसका उद्देश्य यह समझना है कि **जानकारी को संसाधित करने के लिये न्यूरोन्स एक साथ कैसे कार्य करते हैं।**

■ इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी:

- यह शरीर क्रिया विज्ञान की एक शाखा है जो **जैविक कोशिकाओं और उक्तकों के विद्युत गुणों का अध्ययन** करती है। यह **जीवित न्यूरोन्स की विद्युत गतिविधि के साथ उनके सग्नलिंग को नियंत्रित करने वाली आणविक एवं सेलुलर प्रक्रियाओं का भी** पता लगाता है।